RNI No.-UPHIN/2010/35514 **ISSN-0976-349X**

संयुक्तांक 20-21 नवंबर 2022

यू.जी.सी. केयर लिस्ट में सम्मिलित

इतिहास दृष्टि

संपादक

सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

संपर्क

228-आर, पूरबी बशारतपुर

निकट एच.एन. सिंह क्रॉसिंग

गोरखपुर-273004

प्रकाशक : **सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी**
228-आर, पूरबी बशारतपुर,
निकट, एच.एन. सिंह क्रॉसिंग
गोरखपुर-273004
मोबाइल : 9519442081

© कापी राइट
सर्वाधिकार सुरक्षित

वार्षिक शुल्क :

संस्थागत	:	400 रु.
व्यक्तिगत	:	200 रु.

भुगतान हेतु केवल बैंक ड्राफ्ट अथवा मनीऑर्डर ही निम्न पते पर स्वीकार्य है—सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी, 228 आर, पूरबी बशारतपुर, निकट एच.एन. सिंह क्रॉसिंग, गोरखपुर-273004।

संपादक मंडल

उदय प्रकाश अरोड़ा (जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

एन.आर. फारुक़ी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

महेंद्र प्रताप (वाराणसी)

रश्मि पांडेय (लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ)

रेनू शुक्ला (गुरुकुल विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर, देहरादून)

मनीषा चौधरी (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

इस अंक के लेखों में प्रदत्त तथ्यों एवं व्यक्त किए गए विचारों का पूर्ण दायित्व उनके लेखकों पर है और पत्रिका के संपादक एवं प्रकाशक पर इसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

संपादकीय

वर्ष 2022 के इतिहास दृष्टि का संयुक्तांक (20-21) आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष एवं संतोष का अनुभव हो रहा है। यह अंक कई दृष्टियों से अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं। इसमें सम्मिलित सभी आलेख मूल रूप से हिन्दी भाषा में लिखे गये हैं और अनुवादित आलेखों को जगह नहीं दी गयी है। दूसरे इसमें लेखकों के क्षेत्र के दायरे का भी विस्तार हुआ है। इसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश से जुड़े लेखकों के आलेख हैं। आशा है, भविष्य में इसका और भी विस्तार होगा।

पत्रिका के प्रचार एवं प्रसार हेतु यथासंभव प्रयास करने के बावजूद इसमें संतोषजनक सफलता नहीं मिल रही है, जो चिन्ता का विषय है। इसमें आप सभी लोगों से अधिक सहयोग की अपेक्षा है। इसी के साथ स्तरीय आलेखों को प्रकाशन हेतु भेजने की लेखकों से अपील है ताकि पत्रिका का स्तर बना रहे। इसमें प्रकाशित होने वाले आलेखों के लिए किसी प्रकार की सहयोगी राशि नहीं ली जाती है बल्कि लेखकों के प्रति संपादक मंडल आभारी होता है।

इस अंक में प्रकाशित होने वाले आलेखों के चयन एवं संकलन में डॉ. मनीषा चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली का विशेष सहयोग रहा है। अतएव मैं डॉ. मनीषा चौधरी को विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

आशा है इस अंक को पाठकगण पसन्द करेंगे और यह उनके इतिहास के ज्ञान में अभिवृद्धि करेगा।

20.11.2022

सै. न. रज़ा रिज़वी
rizvisnr.65@gmail.com

इस अंक के लेखक

प्रोफेसर सीमा बावा	:	अध्यक्ष, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।
रेनू शुक्ला	:	प्रोफेसर, प्रा.भा. इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, कन्या गुरुकुल परिसर, (गु. का. वि.) देहरादून।
डॉ. सैयद मोहम्मद आमिर	:	वरिष्ठ आर्काइविस्ट, प्रेमचंद आर्काइब्स एवं साहित्यक केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
रियाज़ अहमद खान	:	एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय।
डॉ. रामेश्वर मिश्र	:	आई.सी.एच.आर.-पोस्ट डाक्टोरल फेलो, इतिहास विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
अमरेंद्र कुमार	:	इतिहास विभाग, विश्व भारती शांति निकेतन, पश्चिमी बंगाल-731235।
अभिमन्यु आढ़ा	:	प्राचीन संस्कृति एवं इतिहास विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)।
डॉ. विशाल चौहान	:	एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली।
इलियास हुसैन	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
संजय कुमार	:	शोधार्थी, हिंदी विभाग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
डॉ. हरकीरत सिंह	:	एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, पब्लिक कॉलेज, समाना पटियाला, पंजाब।
मधु सैनी	:	शोध-छात्रा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा।
समीक्षक	:	अभिषेक मीणा
		मनीषा चौधरी

अनुक्रम

संपादकीय ट

1. मथुरा की त्रिसंयुज 1
   — *प्रोफेसर सीमा बावा*
2. बौद्ध धम्म एवं संघीय व्यवस्था में प्रगतिशील प्रजातांत्रिक तत्व 22
   — *रेनू शुक्ला*
3. मध्यकालीन जौनपुर का शाही पुल : एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण 34
   — *डॉ. सैयद मोहम्मद आमिर*
4. जहांगीर एवं मुतरबी समरकंदी के बीच संवाद : *ख़ातीरात-ए-मुतरबी* के विशेष संदर्भ में 42
   — *रियाज़ अहमद ख़ान*
5. मुगल काल में अहोम लोगों की सामाजिक स्थिति में परिवर्तन 48
   — *डॉ. रामेश्वर मिश्र*
6. शिवाजी काल में मराठों की नौसेना 54
   — *अमरेंद्र कुमार*
7. मध्यकालीन राजपूत बख्तरबंद सेना में घोड़ों के लिए प्रयुक्त शब्दावली, ई. 1650 से 1850 64
   — *अभिमन्यु आढ़ा*
8. प्रजामंडल आंदोलन, इतिहास-लेखन और जन-इतिहास 69
   — *डॉ. विशाल चौहान*
9. जवाहरलाल नेहरू और राष्ट्रभाषा का सवाल 79
   — *इलियास हुसैन*

10. राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के लेखन में इतिहास का स्वरूप 89
— *संजय कुमार*

11. सुभाष चंद्र बोस, आज़ाद हिंद फौज और भारत की आजादी 99
— *डॉ. हरकीरत सिंह*

12. हरियाणवी लोक-साहित्य में पर्यावरण से जुड़े संदर्भ एवं जीवन-मूल्य (लोक-कहावतों एवं लोक गीतों के विशेष संदर्भ में) 112
— *मधु सैनी*

पुस्तक समीक्षा

1. फरहत हसन, 'पेपर, परफॉर्मेंस एंड स्टेट : सोशल चेंज एंड पॉलीटिकल कल्चर इन मुगल इंडिया', कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 20220 121
— *अभिषेक मीणा*

2. अनिरुद्ध देशपांडे व मुफ़ीद मुजावर, 'दी राइज एंड फॉल ऑफ़ ए ब्रॉउन वाटर नेवी, सरखेल कान्होजी आंग्रे एंड मराठा सीपावर ऑन दी अरेबियन सी इन दी 17वीं एंड 18वीं सेंचुरीज', आकार बुक्स, दिल्ली, 2021 124
— *डॉ. मनीषा चौधरी*